संपादन सलाहकार

डॉ. कुसुम सिंह 'अविचल'

डॉ. निशा प्रकाश

डॉ. भारती वर्मा बौड़ाई

डॉ. माया सिंह

रश्मिलता मिश्रा

डॉ. राधा वाल्मीकि

संपादक मंडल के सदस्य

अनिता मंदिलवार

आनंद वर्धन शर्मा

आशा पाण्डेय

पम्मी सडाना

पूनम दुबे

मन्शा शुक्ला

मनीषा गिरि

राधारानी

भारत माता की जय ★★★ राघवेन्द्र ठाकुर प्रधान संपादक

भारत माता की जय

(पुलवामा में शहीद जवानों की पुण्य स्मृति में)

प्रधान संपादक

राघवेन्द्र ठाकुर

विशेष संपादक

सविता चड्ढा

Scanned by CamScanner

नोट : पुस्तक में प्रकाशित रचनाकारों के विचार उनके अपने हैं। सम्पादक मंडल/प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। सम्पादक मंडल के सभी पद अवैतनिक एवं अस्थायी हैं। पुस्तक में प्रकाशन सम्पादन से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।

ISBN	:	978-93-82340-53-9
©	:	प्रकाशक
प्रथम संस्करण	:	2021
प्रकाशक	:	जे एम डी पब्लिकेशन आर. जैड. 722, गली नं. 4 सागरपुर, नई दिल्ली-110046
फोन (वॉट्स एप)	:	09213341911, 09540866532
मुद्रक	:	अंकुर प्रिन्ट एण्ड पैक (दिल्ली)
आवरण	:	मनोज कुमार
शब्द संयोजक	:	अलका चौहान
मूल्य	:	रु. 400/- मात्र

भारत माता की जय

'भारत माता' की आन-बान-शान की खातिर 'पुलवामा' में अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में प्रकाशित पुस्तक 'भारत माता की जय' का प्रकाशन हम सब के लिए गौरव की बात है। शहीदों की पुण्य स्मृति में यज्ञ स्वरूप प्रकाशित होने वाली इस महत्वपूर्ण पुस्तक में राष्ट्रीय एकता, देश प्रेम एवं शहीदों पर आधारित अपनी रचनाओं के माध्यम से पूर्ण आहुति देने वाले समस्त रचनाकारों ने इस महायज्ञ को पूर्ण करने में जो उल्लेखनीय योगदान दिया है वह निश्चित ही चिरस्मरणीय है।

वर्तमान परिस्थितियों में जब राष्ट्र विरोधी ताकतें देश के अन्दर और बाहर पूर्ण रूप से सक्रिय हैं। ऐसे में हम सभी देशवासियों का उत्तरदायित्व और अधिक बढ़ जाता है। इस विषम घड़ी में देश की एकता की खातिर हम सभी को एकजुट होकर इन ताकतों का डटकर मुकाबला करके ऐसा सबक सिखाना होगा जिससे भविष्य में दोबारा ये सर उठाने की हिम्मत न कर सकें।

प्रस्तुत पुस्तक 'भारत माता की जय' का मूल उद्देश्य सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय एकता, अखण्डता का प्रचार-प्रसार करना है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक 'भारत माता की जय' समस्त देशवासियों में राष्ट्रीय एकता एवं देश प्रेम की भावना जागृत करने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अंत में मैं पुस्तक में प्रकाशित समस्त रचनाकारों, संपादक मंडल के सदस्यों का हृदय से आभारी हूँ जिनके सहयोग के बिना हमारे लिए राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। भविष्य में भी हमें आपसे इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

इसी विश्वास के साथ

राघवेन्द्र ठाकुर
संस्थापक एवं संचालक
विश्व हिन्दी रचनाकार मंच

Scanned by CamScanner

अनुक्रम

सम्पादक मण्डल के सदस्य

1.	डॉ. अरविन्द श्रीवास्तव 'असीम'	दतिया (म.प्र.)	6
2.	अखिलेश नारायण लाल	आगरा (उ.प्र.)	9
3.	अर्चना पाठक 'निरंतर'	अम्बिकापुर (छत्ती.)	12
4.	अनिता तिवारी	बैकुन्ठपुर (छत्ती.)	15
5.	अनिता मंदिलवार	सरगुजा (छत्ती.)	18
6.	अंजु कुमारी	भागलपुर (बिहार)	21
7.	अनुराधा अछवान	(दिल्ली)	24
8.	अभिलाषा विनय	नोएडा (उ.प्र.)	27
9.	आनन्द वर्धन शर्मा	मुरादाबाद (उ.प्र.)	30
10.	आशा जाकड़	इन्दौर (म.प्र.)	33
11.	आशा पाण्डेय	सरगुजा (छत्ती.)	36
12.	इला सागर रस्तोगी	मुरादाबाद (उ.प्र.)	39
13.	डॉ. उषा किरण	पूर्वि चंपारण (बिहार)	42
14.	डॉ. कनक पाणि	(दिल्ली)	45
15.	कुमारी रोशनी	समस्तीपुर (बिहार)	48
16.	डॉ. कुसुम सिंह 'अविचल'	कानपुर (उ.प्र.)	51
17.	गुंजा गुप्ता 'गुनगुन'	मऊ (उ.प्र.)	54
18.	प्रा. द्वारका गिते मुंडे	बीड (महा.)	57
19.	नम्रता सरन 'सोना'	भोपाल (म.प्र.)	60
20.	डॉ. निशा प्रकाश	पूर्णिया (बिहार)	63
21.	पम्मी सदाना	आगरा (उ.प्र.)	66
22.	डॉ. पंकज कुमार शुक्ल	देवरिया (उ.प्र.)	69
23.	डॉ. प्रतिभा सिंह परमार	बावई (म.प्र.)	72
24.	प्रमोद कुमार चौहान	विदिशा (म.प्र.)	75
25.	डॉ. पुनीता कुमारी 'पथिका'	जयपुर (राज.)	78
26.	पूनम दुबे	अम्बिकापुर (छत्ती.)	81
27.	बिन्दु त्रिपाठी	भोपाल (म.प्र.)	84
28.	डॉ. भावना सावलिया	राजकोट (गुजरात)	87
29.	डॉ. भारती वर्मा बौड़ाई	देहरादून (उत्तरा.)	90
30.	प्रा. भास्कर खैरनार	मालेगाँव (महा.)	93
31.	मन्शा शुक्ला	अम्बिकापुर (छत्ती.)	96
32.	मनीषा गिरि	(दिल्ली)	99
33.	मनोज कान्हे 'शिवांश'	इन्दौर (म.प्र.)	101
34.	डॉ. माया दुबे	भोपाल (म.प्र.)	104
35.	डॉ. माया सिंह	उरई (उ.प्र.)	107
36.	डॉ. मीरा पाण्डेय	थाणे (महा.)	110
37.	मीना विवेक जैन	बारासिवनी (म.प्र.)	113
38.	मुक्ता मिश्रा	गुड़गाँव (हरि.)	116
39.	रश्मि लता मिश्रा	बिलासपुर (छत्ती.)	119
40.	राधारानी चौहान	भोपाल (म.प्र.)	122
41.	डॉ. राधा वाल्मीकि	पिथौरागढ़ (उत्तरा.)	125
42.	राजपूत गोकुल मौरा	पिथौरागढ़ (उत्तरा.)	128
43.	आर. सी. यादव	(दिल्ली)	131
44.	लीना खेरिया	अहमदाबाद (गुजरात)	134
45.	शॉवर भकत 'भवानी'	कोलकाता (प. बंगाल)	137
46.	सविता चड्ढा	(दिल्ली)	140
47.	समीर उपाध्याय	चोटीला (गुजरात)	143
48.	सीमा मिश्रा	सागर (म.प्र.)	146
49.	सुचित्रा भौरास्कर	इन्दौर (म.प्र.)	149
50.	सुधा श्रीवास्तव 'पीयूषी'	प्रयाग (उ.प्र.)	152
51.	सुन्दर लाल मेहरानियां 'देव'	अलवर (राज.)	155
52.	सुशीला शर्मा	जयपुर (राज.)	158

Scanned by CamScanner

डॉ. भावना सावलिया

जीवन परिचय

पिता का नाम	:	नानजी भाई टपूभाई सवालिया
जन्म/जन्म स्थान	:	03.04.1973, हरमडिया (गुजरात)
शिक्षा	:	एम.ए, एम.फिल., पीएच.डी.
संप्रति	:	महाविद्यालय में अध्यापन
प्रकाशन विवरण	:	काव्य संग्रह 'कविता सागर' प्रकाशित, पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित।
सम्मान	:	विश्व हिन्दी रचनाकार मंच द्वारा 'मातृभूमि गौरव सम्मान' से सम्मानित एवं अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित।
अन्य सम्पर्क	:	अनेक संस्थाओं से संबंद्ध।
	:	हरमडिया, ता.-गोंडल जिला-राजकोट (गुजरात)

Scanned by CamScanner

शहीद

क्षितिज के अनमोल तारे को आतंकी राहु ने ग्रस लिया।
नभ में फैला उदासी का तमस, धरा गंगा-जमुना बन गयी।
जम गयीं परतें लहू की, बर्फ के श्वेत पाटों पर,
पुलवामा में धोखे से कायरों का हमला हुआ है वर्दी पर।
पत्थर की सिला सी चारों ओर गिर गयीं असंख्य लाशें,
देख के काँप उठा कलेजा, रुक गयीं एक क्षण सभी साँसें।
फिर भी उनकी आँखों से बरसती थी माँ भारती की प्रीत!
उनके तन-मन की वीणा से बहता था कुर्बानी का गीत।
क्यों मनुज बना है दानव, वसुधा के बंटवारे के लिए
माँ की ही गोद में न जाने कितनी लाशें दफन हुई।
आज अम्बर के आँसुओं ने विश्व को दहका दिया
उनकी एक-एक सांस ने भारत को जगा दिया।
वीरों की इस शहादत ने बच्चे-बच्चे को हिला दिया,
हमले का बदला जरूर लेंगे, जवानों ने दृढ़ प्रण किया।
हर बच्चा शूरवीर और कर्तव्यनिष्ठ बनेगा
आतंकियों से डटकर वो सामना करेगा।
नाभि में बाण मार के जड़ से राक्षसों का अंत करेंगे।
देखेगा भारत को कुदृष्टि से कोई तो आँखें उसकी नोंच लेंगे।
विषैले नागों को नष्ट करके भारत को विषमुक्त करेंगे।

Scanned by CamScanner

भारत माता!

रंग-बिरंगे फूलों से सजी, ओढ़ी है माँ ने धानी चूनर
नवोदय, अरुणोदय का चारु, कुंकुम तिलक है भाल पर।
स्वर्ण किरणों की वेणी से गुंथे हैं सुंदर केश गुम्फन
काली घाटाओं के काजल से अंजित हैं कजरारे नैन।
देखो जग में सबसे निराली है हमारी अनुपम भारत माता।
सिर पर हिमालय का मुकुट, आन-बान की शोभा है,
द्वीप रूपी पाद में पहने नदियों की तरल आभा है,
अनेकों समुद्र के उदार उर दीपित मोतियों की प्रभा है,
संसार की पीड़ा का पान करके अमृत बरसाती विभा है।
देखो जग में विरल दात्री है हमारी सुखदायिनी भारत माता।
हरियाली की वनराई में खगवृंद का मधुर गान है
गंगा-जमुना के निर्मल नीर में शीतल पीयूष का पान है
चारों धाम की यात्रा, धाम की उदात्त पहचान है
विविध जाति, वेशभूषा, बोली जो अनेकता में एकता की जान है
देखो जग में सबसे सुहानी है हमारी प्रिय भारत माता।
वेद-पुराण, रामायण, महाभारत, गीता ज्ञान की अनमोल निधि है
व्यास-तुलसी-कबीर की वाणी, जीव मात्र की अमृत औषधि है
त्याग-समर्पण-बलिदान गौरवान्वित भारत की सिद्धि है
सब जीवों के प्राण, एक भारत की वैश्विक समृद्धि है
देखो ऐसी समर्पयामि है हमारी मातृवत्सला भारत माता।

Scanned by CamScanner